मानक गिनती

संख्यावाचक शब्दों के मानक रूप :

हिंदी में जिस तरह भाषा के लेखन के लिए मानक वर्तनी की जानकारी महत्त्वपूर्ण होती है, उसी तरह गणना या गिनती या अंकों के लिए गिनती का होना जरूरी होता है। इसके अभाव में कई बार गलत हिंदी या संस्कृत के शब्दों का प्रयोग हो जाता है। इसलिए विद्यार्थी संख्यावाचक शब्दों के मानक रूप की जानकारी प्राप्त कर लें।

संख्यावाचक शब्दों के मानक रूप :

1	एक	21	इक्कीस	41	इकतालीस	61	इकसठ	81	इक्यासी	1000	हजार
2	दो	22	बाईस	42	बयालीस	62	बासठ	82	बयासी	100000	लाख
3	तीन	23	तेईस	43	तैंतालीस	63	तिरसठ	83	तिरासी	10000000	करोड़
4	चार	24	चौबीस	44	चवालीस	64	चौंसठ	84	चौरासी		
5	पाँच	25	पच्चीस	45	पैंतालीस	65	पैंसठ	85	पचासी		
6	छह	26	छब्बीस	46	छियालीस	66	छियासठ	86	छियासी		
7	सात	27	सत्ताईस	47	सैंतालीस	67	सड़सठ	87	सत्तासी		
8	आठ	28	अट्ठाईस	48	अड़तालीस	68	अड़सठ	88	अट्ठासी		
9	नौ	29	उनतीस	49	उनचास	69	उनहत्तर	89	नवासी		
10	दस	30	तीस	50	पचास	70	सत्तर	90	नब्बे		
11	ग्यारह	31	इकतीस	51	इक्यावन	71	इकहत्तर	91	इक्यानवे		
12	बारह	32	बत्तीस	52	बावन	72	बहत्तर	92	बानवे		
13	तेरह	33	तैंतीस	53	तिरपन	73	तिहत्तर	93	तिरानवे		
14	चौदह	34	चौंतीस	54	चौवन	74	चौहत्तर	94	चौरानवे		

विभक्ति का उपयोग :

1. किसी सर्वनाम के साथ एक प्रत्यय रहने पर दोनों संयुक्त हो जाते हैं।
   जैसे : मैंने, हमने, तुमने, उसने, उन्होंने, आपने, किसने, मुझपर इत्यादि।

2. यदि किसी सर्वनाम के साथ दो प्रत्यय हो तो अंतिम प्रत्यय अलग हो जाता है।
   जैसे : मुझमें से, उनमें से, आपमें से

3. कुछ प्रत्यय सर्वनाम के साथ हमेशा पृथक रहते हैं।
   जैसे : मैंने **ही**, तुमसे **भी**, मुझ **तक**, मेरे **साथ**, **श्री** देव

4. संज्ञा शब्दों में प्रयुक्त प्रत्यय हमेशा पृथक रहते हैं।
   जैसे : श्याम ने, राधा को, स्त्री को, जहाज में, नदियों में, रास्ते पर इत्यादि।

5. यदि 'य' और 'व' का प्रयोग स्वरात्मक हो तो **ये** का **ए** और **वा** का **आ** हो जाता है।
   जैसे : किए (ये ×), गए (ये ×), नई (यी ×), गई (यी ×), रुपए (ये ×), हुआ (वा ×), कौआ (वा ×)

6. अनुनासिक जिस वर्ग का हो उस वर्ग के प्रथम चार अक्षरों में से कोई अक्षर आने पर अनुस्वार का प्रयोग होता है।
   जैसे : बिन्दी, गङ्गा, चञ्चल, ठण्डा

7. द्वंद्व समास, द्विरुक्त शब्द, -सा (जैसा अर्थ में) हायफन का प्रयोग होता है।
   जैसे : राम-श्याम, सीता-गीता, खट्टा-मीठा, नरम-गरम, नहाना-धोना, खान-पान, आगे-आगे, धीरे-धीरे, तरह-तरह, जगह-जगह, उषा-सा, जरा-सा, फूल-सा, हल्का-सा इत्यादि।